Press Release

TATA POWER-DDL

बुधवार, 30 अगस्त, 2023 **तत्काल प्रकाशनार्थ**

नई दिल्ली

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने टाटा पावर-डीडीएल की 'स्मार्ट ग्रिड लैब' की 'इन-हाउस आर एंड डी यूनिट' के तौर पर मान्यता का 2026 तक किया नवीनीकरण

- स्मार्ट ग्रिड लैब अत्याधुनिक टैक्नोलॉजी प्रदर्शित करने, नए उत्पादों एवं प्रक्रियाओं को विकसित करने, गठबंधन करने तथा पेटेन्ट समेत आर एंड डी संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का मंच प्रदान करती है
- इस मान्यता के चलते, टाटा पावर-डीडीएल को अपनी आर एंड डी गतिविधियों के लिए उपकरणों, औजारों, कलपुर्जों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के आयात/खरीद पर सीमा शुल्क में (यदि लागू है तो) छूट मिलती है

नॉर्थ एवं नॉर्थवेस्ट दिल्ली में 7 मिलियन से अधिक की आबादी के लिए बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी यूटिलिटी **टाटा पावर-डीडीएल** ने विज्ञान एवं प्रोद्योगिक मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यरत वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा कंपनी की **'स्मार्ट ग्रिड लैब'** की 'इन-हाउस आर एंड डी यूनिट' के तौर पर मान्यता का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किए जाने की घोषणा की है।

आर एंड डी यूनिट के तौर पर यह नवीनीकरण अगले तीन वर्षों के लिए मार्च 2026 के अंत तक लागू रहेगा।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) द्वारा इस मान्यता के परिणामस्वरूप, डिस्कॉम को अपनी आर एंड डी गतिविधियों के लिए उपकरणों, औजारों, कलपुर्जों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के आयात/खरीद पर सीमा शुल्क में, यदि लागू है तो, छूट मिलेगी।

विज्ञान एवं प्रोद्योगिक मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यरत वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) स्वदेशी प्रौद्योगिकी के संवर्धन, विकास, उपयोग एवं हस्तांतरण आदि से संबंधित गतिविधियों के लिए अधिकृत है।

टाटा पावर-डीडीएल की स्मार्ट ग्रिड लैब राजधानी में सैक्टर 15, रोहिणी में स्थित है जिसे 2021 में 'इन-हाउस आर एंड डी यूनिट' के तौर पर पहली बार मान्यता प्रदान की गई थी। इस लैब को यह दर्जा नई विकसित प्रक्रियाओं तथा उत्पादों, गठबंधनों तथा भागीदारियों, लैब्स के आर एंड डी संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरणों की लागतों, आवेदन किए गए और प्राप्त पेटेन्टों समेत अन्य कई मानकों की कड़ी मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर दिया गया था।

टाटा पावर-डीडीएल की स्मार्ट ग्रिड लैब को दो अलग-अलग भागों में बांटा गया है - **टैक्नोलॉजी ज़ोन** जो कि अब तक क्रियान्वित बुनियादी टैक्नोलॉजी को प्रदर्शित करती है, तथा **कंज्यूमर एक्सपीरियेंस ज़ोन** जहां उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाओं तथा कीमतों में बचत संबंधी लाभों को दिखाया गया है।

इस लैब में, पावर डिस्ट्रिब्यूशन यूटिलिटीज़ की कार्यप्रणालियों को बेहतर बनाने वली अनेक प्रकार की टैक्नोलॉजी, प्रोडक्ट्स तथा सॉल्यूशंस को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, यहां कनेक्टिविटी, दक्षता और प्रभावशीलता आदि को बढ़ावा देने में इन प्रौद्योगिकियों की भूमिका को भी दर्शाया गया है जो विश्वसनीयता बढ़ाने में काफी हद तक योगदान करती हैं। यह विश्वसनीयता न सिर्फ सस्टेनेबल है बल्कि उपभोक्ताओं के लिए इसे आसानी से स्केलेबल भी बनाया जा सकता है।

इस उपलब्धि के बारे में, **श्री गणेश श्रीनिवासन, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल** ने कहा, *"हमारी लैब को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान (डीएसआईआर), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 'इन-हाउस आर एंड डी यूनिट' के तौर पर मान्यता का नवीनीकरण वास्तव में, इनोवेशन, परस्पर गठबंधन, शोध पत्रों, औद्योगिक संपदा (पेटेन्ट/कॉपीराइट फाइलिंग), विभिन्न मंचों पर भागीदारी, तथा नई प्रक्रियाओं एवं उत्पादों के विकास को लेकर हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। साथ ही, इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी छवि भी बेहतर बनेगी। हम इस सम्मान के लिए डीएसआईआर तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के आभारी हैं।"*

इसके अलावा, यह लैब सभी हितधारकों को टाटा पावर-डीडीएल की उपलब्धियों के पिछले एक दशक के सफर पर नज़र डालने का मौका भी देती है। अब तक यहां कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिनिधिमंडलों का दौरा भी हो चुका है।

स्मार्ट ग्रिड लैब के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com/corporate/evolving-into-smart-utility/smart-grid-lab

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 6.39% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

अधिक जानकारी हेतु मीडिया संपर्क:

Corporate Communications:	Slough PR:
Sonia Sarin (9910292599)	Abhishek (9711061540)